Written by मेरी बिटिया संवाददाता
Tuesday, 19 June 2018 17:11

: □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□-□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ : □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ 45 □□ □□□□ □□□□, □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□, □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ :

□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□

□□ □□□□□□□ :आइये आपको जरा दर्शन करा दें कि यूपी सरकार में जोगी-न्□याय का प्रताप क्□या है□ क्□या स्□वर्णिम भविष्□य है यूपी में उद्यमिता प्रोत्□साहन को लेकर□ किस तरह होता है निपटाया जाता है उद्योग से जुड़ी फाइलों को□ किस घुड़की और निवेदन के बीच विश्□लेषण किया जाता है सरकारी मशीनरी द्वारा□ और किस तरह जोगी-सरकार □क धंधेबाज बाबा के इशारे पर शीर्षासन लगा देती है, जबकि □क निरीह व्□यवसायी को सहूलियतें देने के बजाय जोगी सरकार के पुलिसवाले उसकी सेवा में बिना छीला बांस प्रस्□तुत कर उसे किसी अज्ञात स्□थान पर भेज देते हैं□

यहां आपकी जानकारी के लि□ दो घटना□ं हैं, जिनका खुलासा नई दिल्□ली के पत्रकार नवनीत मिश्र ने अपनी वाल पर छापा है□

पहला - बाबा रामदेव ने सिर्फ □क घुड़की दी और यूपी सरकार घुटनों पर आ गई□ आज कैबिनेट ने सारे नियम कायदों को ठेंगा दिखाकर पतंजलि को नो□डा में जमीन पास कर दी□ फूड पार्क के लि□ पूरे 45 सौ □कड़ जमीन के मालिक बन ग□ बाबा□ ध्यान दीजि□, कुछ ही दिन पहले शासन के अफसर कह रहे थे कि नियम इसकी इजाजत नहीं देते□ मगर 15 दिन में वही नियम कैसे दुरुस्त हो ग□, यह सरकारी मुलाजिम बता सकते हैं

दो - 26 साल का □क बेचारा बेरोजगार लड़का अभिषेक गुप्ता पेट्रोल पंप खोलने चला था, लिया था □क करोड़ का लोन, हर माह भरने पड़ रहे थे □क लाख रुपये ब्याज□ उसे हरदोई में ग्राम समाज की जमीन अदला-बदली करनी थी□ डी□म से लेकर राजस्व परिषद ने नियमानुसार फाइल पास कर पंचम तल भेज दी थी□

मगर प्रमुख सचिव फाइल दबा□ बैठे रहे, बेचारे ने जरा सी आवाज निकाली तो सिस्टम ने न केवल हवालात की हवा खिला दी, बल्कि पागल भी करार दे दिया□

भला सोचि□, बाबा के कहने पर कई सौ □कड़ जमीन की फाइल चुटकियों में पास कर दी जा रही और □क युवा को सिर्फ आठ सौ वर्गमीटर की जमीन चाहि□ थी□

मैं बाबा रामदेव की पतंजलि को जमीन देने का विरोध नहीं कर रहा हूं, अगर रोजगार की संभावना बनती है तो बेशक देना चाहि□□ मगर, मेरा सवाल यह है कि चेहरा देखकर जमीन देना जाना चाहि□ या नियम देखकर? अगर वह युवा पेट्रोल पंप खोलता तो उससे भी तो कुछ लोगों को रोजगार मिलता□ उस युवा का

Written by मेरी बटियिा संवाददाता
Tuesday, 19 June 2018 17:11

गुनाह क्या था? सरि्फ यह कि वह रसूखदार नहीं था कि□ कट्वीट पर धमकी देकर जमीन हासलि कर सके□